निस्केयर
NISCAIR

जून 2015

सम्पादक

डा. प्रदीप शर्मा

सह सम्पादक

डा. बालक राम

प्रोडक्शन अधिकारी

सुप्रिया गुप्ता

एस. पी. सिंह

कला अधिकारी

नीरू विजन

योगेश कुमार आनंद

कम्पोज़िंग

मीरा देवी

वरिष्ठ बिक्री एवं विज्ञापन अधिकारी

परवेज़ अली खान

वरिष्ठ बिक्री एवं वितरण अधिकारी

लोकेश कुमार चोपड़ा

जून 2015
विज्ञान प्रगति

मूल्य
एक अंक : 30.00 रुपये
एक वर्ष : 300.00 रुपये
दो वर्ष : 570.00 रुपये
तीन वर्ष : 810.00 रुपये
विदेशी वार्षिक सदस्यता : 65$
शिकायत : 011-25841647
ई-मेल : lkc@niscair.res.in

वन और वृक्षारोपण

वृक्षारोपण किस प्रकार पर्यावरण के लिए सहायक है? वृक्ष ग्लोबल वार्मिंग को कम करने के लिए क्यों महत्वपूर्ण हैं? ये कुछ ऐसे प्रश्न हैं जिनके बारे में जानना चाहिए। वन तथा वृक्ष मानव और वन्य जीवन के लिए अनेक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय लाभ उपलब्ध कराते हैं। वन तूफानों की स्थिति में बाढ़ और मृदा अपरदन को कम कर देते हैं जिससे जलोत्सारण क्षेत्र स्थिर हो जाता है जोकि नदी और जलाशयों को स्वच्छ जल उपलब्ध कराता है। वन पक्षियों तथा अन्य वन्य जीवों की आवश्यकताओं तथा आदतों के अनुरूप पर्यावरण पर आधारित विहार तथा अनुभव के अवसर उपलब्ध कराते हैं। वनों तथा शहरों में विद्यमान वृक्ष वायुमंडलीय कार्बन को हटाकर तथा संगृहीत कर ग्रीन हाउस गैसों को कम करने तथा पर्यावरण को शीतल बनाने में सहायक होते हैं। वन वानिकी रोज़गार, इमारती लकड़ी तथा अन्य वन्य उत्पाद उपलब्ध कराते हैं और प्रशस्त क्षेत्रों से ऊष्मा प्रतिवर्तन को कम करते हैं। वृक्ष शहरी क्षेत्रों में सौन्दर्यपरक प्राकृतिक सुंदरता द्वारा जीवन को आनंदमय बनाते हैं। पर्यावरणीय संरक्षण संस्थाओं के अनुसार यदि हमें अपने ग्रह को बचाना है तो वृक्षारोपण को महत्वपूर्ण स्थान दिलाना होगा। वृक्ष न केवल मिट्टी से हानिकारक रसायनों को हटाते हैं बल्कि ग्रीन हाउस गैसों को भी कम करते हैं जोकि आगे चलकर ग्लोबल वार्मिंग का कारण बनती हैं।

वृक्षारोपण द्वारा ग्लोबल वार्मिंग कम करने के उद्देश्य से अध्ययन करने पर ज्ञात हुआ है कि एक सामान्य लंबाई का पौधा एक वर्ष में चार लोगों के एक परिवार के लिए पर्याप्त ऑक्सीजन उपलब्ध कराता है। घरों तथा इमारतों के चारों ओर उचित स्थान पर वृक्षारोपण करने से वातानुकूलन लागत को 50 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। पर्यावरण के लिए वृक्षारोपण अति आवश्यक है क्योंकि वृक्ष नवीकरणीय, जैव निम्नीकरणीय और पुनः चक्रित करने योग्य होते हैं। ऐसा माना जाता है कि यदि हम 2 करोड़ वृक्ष रोपित करते हैं तो पृथ्वी पर एक एकड़ में उपस्थित पेड़-पौधे एक ही बार में 2.6 टन कार्बन डाइऑक्साइड कम करने की क्षमता प्राप्त कर लेते हैं। वृक्ष प्रकाश संश्लेषण के दौरान कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित कर ऑक्सीजन प्रदान करते हैं।

वृक्षारोपण क्यों आवश्यक है? दरअसल, जीव-जन्तु, पक्षी तथा कई संकटग्रस्त प्रजातियां ऐसी हैं जिनका प्राकृतिक आवास ये वृक्ष ही हैं। वृक्षारोपण से अधिक लकड़ी तथा कागज़ी उत्पाद प्राप्त होते हैं जोकि आसानी से पुनः चक्रित किये जा सकते हैं। एक नवीन रूप से विकसित सम्पूर्ण वन बहुत अधिक मात्रा में पर्यावरणीय कार्बन को लकड़ी तथा अन्य तंतुमय पदार्थों में परिवर्तित कर सकता है जिस कारण ग्लोबल वार्मिंग में कमी आने की भी संभावना बढ़ जाती है। ग्लोबल वार्मिंग को पूर्ण रूप से परिवर्तित करने के प्रयास अभी भी जारी हैं। स्वचालित वाहन और उनका निर्माण तथा अन्य मानवीय कार्य-कलाप हमारे पर्यावरण का विनाश कर रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग को कम करने का सबसे सरल तरीका है पर्यावरण के लिए वृक्षारोपण करना। अतः यदि आप वृक्षारोपण के महत्व को समझते हैं तो पुनः वृक्षारोपण के कार्य का शुभारंभ कर दें।

सम्पादकीय : 011-25846301, 04-07/370; 25841769
प्रोडक्शन : 011-25847353, 25846301, 04-07/217, 337
विज्ञापन : 011-25843359
बिक्री : 011-25841647, 25846301, 04-07/286, 289
फैक्स : 011-25847062
ई-मेल : vp@niscair.res.in
वेब साइट : http://www.niscair.res.in

© राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान
लेखकों के कथनों ओर मतों के लिये सी.एस.आई.आर.-राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान, डॉ. के. एस. कृष्णन् मार्ग, नई दिल्ली - 110 012 उत्तरदायी नहीं है।
पत्रिका से संबंधित सभी विवाद दिल्ली न्यायालय द्वारा ही निपटाये जायेंगे।